Course ---M.A, Education,Part --2

Paper--11th, Educational Administrative Practice

Prepared by--Dr Meena Kumari

Topic -Leadership

नेतृत्व(Leadership)

- **प्रस्तावना --- प्रशासन के विकास तथा सफलता में नेतृत्व का अहम योगदान होता है। नेतृत्व प्रशासन का एक महत्व अंग है।नेतृत्व संगठन के कार्य कलापों यथा नियोजन ,नियुक्ति,उत्पादन,कानून व्यवस्था तथा नियंत्रण में सहयोग करता है।अतः नेतृत्व प्रत्येक संगठन की एक गतिशील शक्ति है ।इस दृष्टिकोण से नेतृत्व संगठनात्मक विकास तथा प्रशासन में बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है। संगठन की प्रभावशीलता तथा अस्तित्व के लिए नेतृत्व को सर्वोपरि भूमिका होती है ।प्रशासक का यह एक मूल्यवान कौशल है जिसके द्वारा संगठन के लक्ष्यों को हासिल किया जाता है।**

- **नेतृत्व का अर्थ तथा महत्व --- नेतृत्व एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है जो परिवर्तनशील तथा लचीला होता है तथा जो संगठन के लक्ष्यों को पूरा करने में सहायता प्रदान करता है।प्रक्रिया के संदर्भ में नेतृत्व का वर्णन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए समूह के सदस्य द्वारा की जाने वाली गतिविधियों को निर्देशित तथा समन्वित करने के लिए गैर बलपूर्वक प्रयास के रूप में किया जाता है !लेकिन जब नेतृत्व का वर्णन गुण के रूप में किया जाता है तो व्यक्ति के वैसे चारित्रिक गुण सामने आते हैं जो सफलता प्राप्त करने में सहायक होते हैं तथा समय-समय पर प्रभावी निर्णय लेने में सक्षम होते हैं । नेतृत्व को विभिन्न मनोवैज्ञानिक के विभिन्न रूपों में तथा विभिन्न आधारों पर परिभाषित किया है और उसके स्वरूप पर प्रकाश डाला है इसमें से कुछ महत्वपूर्ण परिभाषाएं निम्नवत है --**
  - **नेतृत्व का तात्पर्य व्यक्ति के मौलिक योग्यता से होता है जिसके द्वारा वह दूसरों के विचारों , मनोवृति तथा व्यवहारों में परिवर्तन लाने की क्षमता रखता हो।**
  - **नेतृत्व वह समूह प्रक्रिया है जिसके अन्तर्गत किसी संगठन या समूह में किसी विशेष व्यक्ति को केंद्रीय स्थान प्राप्त हो। ब्लैकमर ने भी नेतृत्व को परिभाषित किया है और**

कहा है कि समूह के सभी सदस्यों को एक सदस्य के द्वारा दिए जा रहे हैं प्रतिनिधित्व को नेतृत्व कहा जाता है।

- नेतृत्व प्रक्रिया है जिसके द्वारा एक व्यक्ति अपने व्यवहार से समूह के दूसरे व्यक्तियों के व्यवहारों को प्रभावित करता है। हेमफिल ने इसी अर्थ में नेतृत्व का परिभाषा दिया है और कहा है कि नेतृत्व का अर्थ वह व्यवहार है जिसके फलस्वरूप समूह के अन्य सदस्य भी एक निर्धारित दिशा में व्यवहार करने के लिए प्रेरित होते हैं।

- टेनेनबौम के अनुसार नेतृत्व वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा नेता तथा अनुआई एक दूसरे को प्रभावित कर के विशिष्ट लक्षणों को प्राप्त करते हैं ।क्रेच आदि ने नेता की परिभाषा में तीन बातों का उल्लेख किया है। नेता की एक आवश्यक शर्त है कि वह अपने व्यवहार से दूसरे को प्रभाव प्रभावित करें। दूसरा कि उसका अंतरव्यक्तिक क्रिया प्रतिक्रिया प्रभावी हो तथा उसकी प्रभाव का एक निश्चित मात्रा हो ।जिस व्यक्ति में यह गुण पाये जाते है ,वह नेता कहलाते हैं तथा यह पूरी प्रक्रिया नेतृत्व करता है।

नेतृत्व का महत्व-- नेतृत्व का महत्तव बहुत व्यापक होता है। इस संदर्भ में नेपोलियन ने ठीक ही कहा था कि निकृष्ट सिपाही नहीं होते बल्कि निकृष्ट अधिकारी होते हैं अर्थात अधिकारी या प्रशासन के नेतृत्व तथा निर्देशन के अभाव में हीं सगंठन प्रभावशाली तरीके से कार्य नहीं कर पाता है।

वास्तव में सफल और असफल संगठन के बीच अंतर केवल कुशल और योग्य नेतृत्व का होता है। किसी भी संगठन या व्यवसाय की सफलता मुख्य रूप से नेतृत्व पर ही निर्भर करता है ।अगर हम इतिहास को भी देखते हैं तो पाते हैं कि गांधी, नेपोलियन बोनापार्ट, लेनिन लिंकन इत्यादि ने अपने नेतृत्व शैली से उस समय के प्रशासन को प्रभावित किया था। किसी संगठन में प्रशासन का मुख्य कार्य लक्ष्यों का निर्धारण, नई-नई योजनाओं का निर्माण ,नीति निर्माण, कार्य आवटित करना तथा समन्वय तथा नियंत्रण करने से संबंधित होता है नेतृत्व कारी भूमिका के रूप में प्रशासक का मुख्य कार्य व्यक्तियों तथा समूह को संगठन के साथ एकत्रित करके तथा संगठनात्मक लक्ष्यों को प्राप्त में अपना महत्वपूर्ण योगदान देने में सहायता प्रदान करना है। नेतृत्व का यह भी एक महत्वपूर्ण योगदान है संकटकाल में एक प्रभावी निर्णय द्वारा संगठन को

संगठित संकट से बचा सके। नेतृत्व का महत्त्व संगठन का समुदाय से जोड़ने में भी है। परिवर्तनशील समय में संगठन का विकास तथा लक्ष्य प्राप्ति में नेतृत्व ही अगवाई करता है तथा रक्षा भी करता है। इस तरह से एक प्रभावी प्रशासन में नेतृत्व की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका है। नेतृत्व के रूप में प्रशासक कर्मचारियों में अभिप्रेरणा भी उत्पन्न करता है तथा लक्ष्यों को हासिल करने में सहायता भी देता है।

3) नेता के गुण या विशेषताएं -- नेतृत्व के संबंध में हमेशा यह बात आती हैं कि प्रत्येक व्यक्ति में नेतृत्व का गुण नहीं होता है ।कुछ लोगों में नेतृत्व के गुण होते हैं और वह एक प्रभावी नेता के रूप में कार्य करते हैं ।एक नेता में विभिन्न विशेषताओं का होना आवश्यक
माना जाता है--

- शारीरिक गुण -- इस गुण का तात्पर्य ब्राउन के अनुसार नेतृत्व के लिए शारीरिक आकार ऊंचाई तथा वजन की अपेक्षा शारीरिक शक्ति तथा कार्य शक्ति अधिक महत्वपूर्ण है ।प्राचीन काल में शारीरिक आकार व्यक्तित्व के आधार पर नेता चुना जाता था ।भारतीय संस्कृति में भी इसके उदाहरण मिलते हैं।

- व्यक्तित्व शीलगुण- अध्ययनों से पता चलता है कि नेता में कई प्रकार के व्यक्तित्व गुण जैसे आत्मविश्वास प्रभुता एवं आत्मदृढ़ता, सवेगात्मक स्थिरता तथा अभियोजन, परानुभूती चमत्कार इत्यादि गुण पाए जाने चाहिए ।ऐसे गुणों से परिपूर्ण व्यक्ति में नेतृत्व की क्षमता कुटकुट कर भरी होती है ।समूह के लोग इन्हीं गुणों के कारण नेता से अधिक प्रभावित होते हैं।

- अर्जित गुण -- नेता में कुछ गुण अर्जित भी होते हैं.! समूह स्थिति एक महत्वपूर्ण अर्जित गुण है जो किसी व्यक्ति के नेता बनने में सहायक होता है !मिल्स ने अपने अध्ययन में देखा कि संसार के अधिकांश प्रसिद्ध नेता का जन्म उच्च परिवारों में हुआ था !अन्य अध्ययन से यह भी पता चला कि उसकी स्थिति में बच्चों की अपेक्षा निम्न स्थिति के बच्चों में समस्या विश्लेषण के संबंध में अधिक सूचना तथा कौशल रहने पर भी उच्च स्थिति के बच्चे में नेता बनने की संभावना अधिक होती है।कूपर तथा वरशेल के अनुसार प्रतिष्ठा तथा अधिकार की प्रेरणा अधिक प्रभाव शाली होता है।

- व्यवहारिक कौशल -- नेतृत्व विभिन्न प्रकार के कौशल तकनीकी ,मानवीय सिद्धांत पर आधारित होता है। किंतु नेतृत्व का जन्म इन नेताओं के व्यवहार में लाने पर ही होता है । कीथ के अनुसार नेतृत्व क्षमता नहीं बल्कि एक व्यवहारिक कौशल है। नेतृत्व का संबंध ज्ञान को कार्य व्यवहार में लागू करने से है।

- प्रभावित करने की कला --- नेतृत्व उन लोगों को प्रभावित करने की कला है ताकि उनको व्यवहार में बांछित दिशा में मोड़ा जा सके ।नेतृत्व लक्ष्य प्राप्त हेतु परस्पर प्रभाव डालने की योग्यता है।

- मार्गदर्शन करने की कला-- नेतृत्व अन्य लोगों को प्रभावित करने तथा उनका मार्गदर्शन करने की कला भी है जिससे अपने समूह के व्यक्तियों को प्रभावित कर सही रास्ता दिखाया जा सके।

- नेतृत्व सदैव जन्मजात नहीं होता आधुनिक युग में यह आधार व्यर्थ हो गई है कि नेता पैदा होते हैं बनाए नहीं जाते। वास्तव में नेतृत्व क्षमता का व्यवस्थित विकास किया जाना संभव है। नेतृत्व जन्म लेती है, विकसित होती है तथा इसको प्राप्ति भी किया जा सकता है।

- गतिशील शक्ति --नेतृत्व एक गतिशील शक्ति एवं कला है! यह सृजनशीलता एवं पहल शक्ति का गुण है और लोगों का विश्वास सहयोग एवं कार्य करने की तत्परता प्राप्त करने की योग्यता है।